तिथि 20/08/2026

स्वर संधि के भेद – (5) ⇒ LIVE CLASS.

1. दीर्घ संधि –
2. यण संधि –
3. गुण संधि –
4. वृद्धि संधि –
5. अयादि संधि –

3. गुण संधि –

1. जहाँ शब्द के बीचोंबीच ह्रस्व मात्रा ए, ओ (े, ो) की हो।

2. जहाँ किन्हीं दो स्वर वर्णों के योग से ए, ओ, अर् वर्ण बनें।

3.

(i)	अ + इ =	ए
(ii)	अ + उ =	ओ
(iii)	अ + ऋ =	अर्

⇒ े ⇒ नरेश, नरेन्द्र

⇒ ो ⇒ महोत्सव, महोदय

⇒ र्‍ ⇒ सप्तर्षि, महर्षि

राकेश , रजेश , योगेश , गणेश , सुरेश = ए = 1

ईश

राका + ईश , रज + ईश , योग + ईश , गण + ईश , सुर + ईश

आ + ई = ए , अ + ई = ए , अ + ई = ए , आ + ई = ए , अ + ई = ए

(i) अ + इ = ए

(ii) आ + इ = ए

(iii) अ + ई = ए

(iv) आ + ई = ए

ए → नरेन्द्र, सतेन्द्र, गजेन्द्र, जितेन्द्र, धर्मेन्द्र, महेन्द्र, योगेन्द्र = इन्द्र

परोपकार, अरुणोदय, सर्वोदय, सूर्योदय, गंगोदय,

पर + उपकार, अरुण + उदय, सर्व + उदय, सूर्य + उदय, गंगा + उदय

अ + उ = ओ   अ + उ = ओ   अ + उ = ओ   अ + उ = ओ   आ + उ = ओ

अ + उ
आ + उ
अ + ऊ
आ + ऊ
= ओ

महोत्सव - 1 माह + उत्सव
2 महो + त्सव
3. महा + सव
4 महा + उत्सव

महा + उत्सव

आ + उ = ओ

① नोट :- मनोविज्ञान, यशोदा, तपोवन, अधोपतन = ओ

मनः + विज्ञान, यशः + दा, तपः + वन, अधः + पतन

ये सभी विसर्ग संधि के उदाहरण हैं क्योंकि इनमें स्वर वर्णों का मेल नहीं हुआ है।

② अपवाद – प्रौढ़ , अक्षौहिणी , दन्तौष्ठ = गुण संधि

प्र + ऊढ़ अक्ष + ऊहिणी , दन्त + ओष्ठ

अ + ऊ = औ अ + ऊ = औ अ + ओ = औ

* दो मात्रा (औ) की होते हुए भी ये वृद्धि संधि के उदाहरण नहीं है।

ओ ⇒ सतोगुण, वयोवृद्ध, पयोधि, तमोगुण, रजोगुण

सतः + गुण, वयः + वृद्ध, पयः + धि, तमः + गुण, रजः + गुण

* ये सभी उदाहरण विसर्ग संधि के हैं क्योंकि यहाँ दो स्वर वर्णों का मेल नहीं हुआ है।
* यहाँ विसर्ग (ः) का ओ में परिवर्तन होने के कारण ये विसर्ग संधि के उदाहरण हैं।

सप्तर्षि, देवर्षि, योगर्षि, राजर्षि, ब्रह्मर्षि, महर्षि = अर्

① सप्त + ऋषि, देव + ऋषि, योग + ऋषि, राज + ऋषि, ब्रह्म + ऋषि, मह + ऋषि

अ + ऋ = अर्　अ + ऋ = अर्　अ + ऋ　अ + ऋ　अ + ऋ　आ + ऋ

अर्　अर्　अर्　आर्

② सप्त् अर् षि　दे व् अर् षि　योग अर् षि　मह + षि

③ सप्तर्षि　देवर्षि　योगर्षि

गुण संधि की शॉर्ट ट्रिक –

ईश
इन्द्र
उदय
उत्सव
ऋषि

नियम – यदि संधि वाले शब्द का विच्छेद करने पर अन्तिम शब्द ईश, इन्द्र, उदय, उत्सव, ऋषि, में से कोई शब्द हो तो वहाँ गुण संधि होती है।

⇒ गुण संधि

4. वृद्धि संधि –

1. जहाँ शब्द के बीचोंबीच दो मात्रा ै, ौ (ऐ, औ) की हो।
2. जहाँ किन्हीं दो स्वर वर्णों के योग से अए, आए बनें।

एकैक, मतैक्य, सदैव, तथैव = ै

एक + एक, मत + ऐक्य, सदा + एव, तथा + एव

अ + ए = ै अ + ऐ = ै आ + ए = ै आ + ए = ै

अए अए आए आए

महौषधि , वनौषधि , महौज , जलौघ = औ

महा + औषधि , वन + औषधि , महा + ओज , जल + औघ

आ + औ = औ अ + औ = औ आ + ओ = औ अ + औ = औ